

BFC PUBLICATIONS PVT. LTD.

Personal Details

Author Name	manoj pandey
Father Name	tikaram pandey
Date of Birth	1969-10-12
Contact No	9754379605
Alternate contact no.	8770522491
e-mail ID	ptmanoj69@gmail.com
Nominee Name	piyush pandey
Correspondence Address :	manoj pandey. vil and post jeora sirsa , ta di durg
Landmark	sivnath nadi rode
City	durg
State	Chhattisgarh
Pin Code	491001
Country	india

BANK DETAILS

Account holder's name	manoj kumar pandey
Account No.	49700100003674
Bank Name	bank of baroda

Branch	sirsa khurd
IFSC Code	BARB0SIRSAK
Pan No.	cgdpp9175l

Book Details

Book Title	भागवत मन्थन
How would you like your name to appear on book?	भागवताचार्य मनोज पाण्डेय
Manuscript Language	Hindi
Book Genre	Others
Number of images (If any)	2
Manuscript Status	Completed
Book Size	6"x9"

Cover details

Synopsis

श्रीमद्भागवत महापुराण एक महान ग्रन्थ है. यह भगवान व्यासजी की सर्वोत्कृष्ट कृति है. वदियावतां भागवते परीक्षा कहा जाता है अर्थात वदिवानों की परीक्षा भागवत में होती है ऐसा कहा जाता है. श्रीमद्भागवत महापुराण के गहन अध्ययन के पश्चात् 25 छोटे छोटे प्रकरण इस ग्रन्थ में है. इससे नए और अनुभवी भागवत प्रेमियों कथा वक्ताओं को लाभ होगा. श्रीमद्भागवत जी को समझने में आसानी होगी. इस ग्रन्थ में 25 प्रकरण हैं. प्रत्येक प्रकरण भागवत जी के गहन अध्ययन के पश्चात् प्रत्येक प्रकरण लिखा गया है. प्रत्येक प्रकरण शोधपरक है. कोई भी भागवत आचार्य , प्रेमी , कथावक्ता इन प्रकरणों को पूरा पढ़े बिना नहीं रह पायेंगे.

Blurb

भागवत मन्थन नाम से ही स्पष्ट हो रहा है की समुद्र मंथन से जैसे 14 रत्न प्राप्त हुए उसी प्रकार श्रीमद्भागवत महापुराण के गहन अध्ययन के पश्चात् 25 छोटे छोटे प्रकरण इस ग्रन्थ में है. इससे नए और अनुभवी भागवत प्रेमियों ,कथा वक्ताओं को लाभ होगा. श्रीमद्भागवत जी को समझने में आसानी होगी.

Author Bio

पंडति मनोज पाण्डेय देश के वरिष्ठ भागवताचार्य हैं. उन्होंने पूर्व में श्रीमद्भागवत जी के छंदों पर 'भागवत के छन्द' नामक ग्रन्थ लिख चुके हैं जसि देश भर के वदिवानों ने सराहा है. छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले के जेवरा सरिसा ग्राम में नविस करते हैं. अखण्ड ब्राह्मण समाज के पुरोहिता/ कथावाचक प्रकोष्ठ के प्रान्त अध्यक्ष हैं. शासन से सहयोग लिए बिना 5 एकड़ भूमि में गोशाला का संचालन करते हैं जसिमे 110 गायें हैं. नए कथावाचकों को वर्ष में 2 बार निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है. इस ग्रन्थ के प्रकाशित होते तक देश भर में लगभग 300 कथा लेखक द्वारा किया जा चुका है. 15 बार श्रीधाम वृन्दावन में कथा कहने का सौभाग्य प्राप्त हो चुका है.